मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

27 फरवरी, 2023

स्कूली बच्चों और अभिभावकों के रिश्तो पर मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय आगमन पर मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर शांतिपुरम, फाफामऊ के संयुक्त तत्वाधान में 27 फरवरी 2023 को पूर्वाहन 10:30 बजे **"Parenting Style and Parent-Child Relationship in School Going Children"** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी, माननीया सांसद, फूलपुर प्रयागराज रहीं। विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर कुमार त्रिपाठी, डीआईजी, सीआरपीएफ, प्रयागराज तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त, विश्वविद्यालय
एवं रूद्र प्रयाग विद्या मंदिर शान्तिपुरम, फाफामऊ

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांकः 27 फरवरी, 2023

Parenting Style: Parent Child Relationship in School Going Children.

कार्यक्रम स्थल – अटल प्रेक्षागृह, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक – स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

केशरी देवी पटेल
मा. सांसद
फूलपुर, प्रयागराज

अध्यक्षा

प्रो0 सीमा सिंह
मा. कुलपति
उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त वि. वि. प्रयागराज

कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में किया गया। प्रारंभ में कार्यशाला तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया। कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी एवं मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ रंजना तिवारी ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यशाला में रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य डॉ गौरी द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह, डॉ अजेंद्र मलिक, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, श्री अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई कार्यशाला संयोजिका डॉ0 मीरा पाल

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

जल भरो अभियान के तहत घड़े में जल भरती हुई कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी, माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर कुमार त्रिपाठी जी, रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्राचार्या गौरी द्विवेदी, कुलसचिव श्री विनय कुमार जी एवं कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्त

सभागार में उपस्थित छात्र–छात्राएं, अभिभावकगण विश्वविद्यालय के समस्त निर्देशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक

गणेश वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रायें तथा सभागार में उपस्थित छात्र–छात्राएं, अभिभावकगण विश्वविद्यालय के समस्त निर्देशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक

मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 अजेन्द्र मलिक

विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर कुमार त्रिपाठी जी, रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्राचार्या गौरी द्विवेदी एवं कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए क्रमशः श्री अमित कुमार सिंह, डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव तथा डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता

माननीय अतिथियों का परिचय एवं स्वागत तथा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो० जी०एस० शुक्ल

मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी को अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मानकरती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं फल की टोकरी भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह

विशिष्ट अतिथि प्रभाकर त्रिपाठी जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं फल की टोकरी भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, तथा रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्राचार्या गौरी द्विवेदी

विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर त्रिपाठी, डीआईजी, सीआरपीएफ ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है। गुरुओं का आशीष बच्चों के व्यक्तित्व में बदलाव ला सकता है। माता पिता अपने बच्चों को इस योग्य बनाएं कि वे समाज में सम्मानजनक पद प्राप्त कर सकें।

श्री प्रभाकर त्रिपाठी

बच्चों को अच्छे संस्कार दें–सांसद केशरी देवी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर, शांतिपुरम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को पेरेंटिंग स्टाइलरू पैरंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रन विषय पर आयोजित कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल, सांसद ने कहा कि माता–पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। शिक्षक बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बच्चों से खचाखच भरे अटल प्रेक्षागृह में कहा कि अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाकर माता–पिता बच्चों के जीवन को सार्थक बनाएं। बच्चों को भी चाहिए कि वह अपने गुरुजनों का सम्मान करें। आजकल के बच्चे समझदार हो गए हैं। मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें। कोशिश सब को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोरांव एवं नवाबगंज विधानसभा से अच्छे बच्चे निकल रहे हैं। खेलो इंडिया में क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव वालों को अपने बच्चों को प्रेरणा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। देश की समृद्धि के लिए वह अपना महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज लड़कियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। हमें उन्हें आगे निकलने से नहीं रोकना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की सलाह दी। संसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि हमें जल संग्रहण पर विशेष ध्यान देना होगा। पानी बचाने की मुहिम चलानी होगी। जलस्तर बहुत तेजी से नीचे जा रहा है। हर लोकसभा क्षेत्र में 75 तालाब बनाने का निर्णय लिया गया है। पानी के बिना जीवन नहीं रह सकता। जल का दोहन रोकना होगा। बच्चों को इस दिशा में घर से प्रयास करने की आवश्यकता है।

मा0 केशरी देवी पटेल

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कि जीवन के किस मोड़ पर बच्चों को सही ढंग से कैसे समझाए जाय यह कार माता पिता सही ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी रिश्तों में बदलाव आते हैं। इधर 5–10 वर्षों में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेलजोल बढ़ाना होगा। बच्चों को समझने का प्रयास करना होगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आजकल के बच्चों को हेलीकॉप्टर पेरेंट्स तथा बुलडोजर पेरेंट्स नहीं चाहिए।

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

राष्ट्रगान

द्वितीय सत्र

कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण

कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी एवं मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ रंजना तिवारी ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं का निराकरण किया।

कार्यशाला में अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी, माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ रंजना तिवारी

कार्यशाला में अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी, माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ रंजना तिवारी

सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यशाला में अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी, माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ रंजना तिवारी एवं सास्कतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई छात्रायें